ISO 9001-2008 Certified

क्रमांक : 34, नवम्बर 2008–मई 2009
केवल आंतरिक परिचालन हेतु

एन.एच.डी.सी पत्रिका

नर्मदा हाइड्रोइलैक्ट्रिक डेवेलपमेन्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड

(एन.एच.पी.सी. एवं मध्यप्रदेश शासन का संयुक्त उद्यम)

निगम मुख्यालय : एन.एच.डी.सी. परिसर, श्यामला हिल्स, भोपाल – 462 013 (मध्यप्रदेश),
वेबसाइट : www.nhdcindia.com

भोपाल झील गहरीकरण अभियान में श्री सुनील सूद, महापौर भोपाल, को रुपए पांच लाख का चेक भेंट करते हुए श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एनएचडीसी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण।

ISO 9001-2008 Certified

Narmada Hydroelectric Development Corporation Ltd.
(A Joint Venture of NHPC & Govt. of Madhya Pradesh)
Corporate Office: NHDC Parisar, Shamla Hills, Bhopal-462013 (MP)

Published By: NHDC Ltd., Bhopal

No. NHDC/CC/69/June 2009

निदेशक मंडल

(दिनांक 31 मई, 2009 की स्थिति में)

श्री एस.के. गर्ग
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री कृष्ण मोहन सिंह
मुख्य कार्यपालक निदेशक

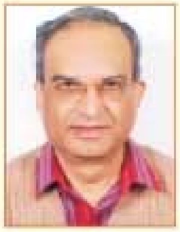

श्री प्रदीप भार्गव, आई.ए.एस
निदेशक
एवं उपाध्यक्ष, एन.वी.डी.ए.
मध्यप्रदेश शासन

श्री जयंत कावले, आई.ए.एस
निदेशक
एवं संयुक्त सचिव (हाइड्रो)
भारत सरकार

श्री आर.के. तनेजा
निदेशक एवं
कार्यपालक निदेशक (वित्त)
एन.एच.पी.सी

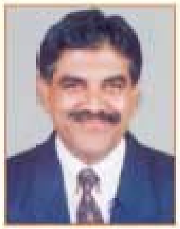

श्री वी.के. भाटिया
निदेशक
एवं सदस्य (अभियांत्रिकी), एन.वी.डी.ए.
मध्यप्रदेश शासन

श्री राजेश डोंगरे
निदेशक

कृष्ण मोहन सिंह
मुख्य कार्यपालक निदेशक

अपनों से अपनी बात

हमारी दोनों जल विद्युत परियोजनाओं से निरंतर विद्युत का उत्पादन जारी है। गत् वर्ष मानसून के दौरान कम वर्षा होने के बावजूद एनएचडीसी द्वारा जलाशयों में उपलब्ध जल को कुशल प्रबंधन के माध्यम से संपूर्ण वर्ष 2008–09 की अवधि में प्रदेश की विद्युत मांग के अनुरूप चार से पांच घंटों की पीकिंग पावर उपलब्ध कराने में सफलता हासिल की है। इसके अतिरिक्त परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन के उपरांत छोड़े गए सतत जल प्रवाह से डाउन स्ट्रीम जिलों में भी काफी हद तक जल आपूर्ति एवं पेयजल समस्या से निप्टने में सफलता प्राप्त हुई है। आने वाले मानसून में पर्याप्त वर्षा की कामना करता हूं ताकि हमारी परियोजनाएं मध्य प्रदेश की चौतरफा उन्नति में और अधिक योगदान दे सकें।

यहां उल्लेख करना चाहूंगा कि एनएचडीसी द्वारा अपनी शैली में कार्य करते हुए ओंकारेश्वर जल विद्युत परियोजना की इकाई क्र 1 को समय से पूर्व कमीशन करने के फलस्वरूप विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाला राष्ट्रीय स्वर्ण शील्ड पुरस्कार वर्ष 2007–08, महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से एनएचडीसी को राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान प्राप्त हुई है, जिसके लिए एनएचडीसी में कार्यरत समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिवार बधाई के पात्र है।

एनएचडीसी विद्युत उत्पादन के अन्य परम्परागत/गैर परम्परागत् माध्यमों जैसे ताप एवं पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपनी संभावनाएं तलाश रही है। इसी कड़ी में हाल ही में मध्य प्रदेश शासन द्वारा इंदिरा सागर जलाशय की परिधि में एनएचडीसी के माध्यम से 1000 मेगावाट क्षमता के ताप विद्युत गृह स्थापित करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। तदुपरांत एनएचडीसी द्वारा इस आशय में जमीनी कार्यवाहीं प्रारंभ कर दी गई है एवं इससे सम्बंद्ध अन्य महत्वपूर्ण कार्यवाहियों जैसे उपयुक्त भूमि को चिन्हित करना, कोल लिंकेज, पीएफआर इत्यादि हेतु समितियों का गठन भी कर दिया गया है। जिसके ठोस परिणाम आने वाले समय में परिलक्षित होने लगेंगे।

एनएचडीसी अपने समाजिक दायित्वों के प्रति भी पूर्ण संजीदगी से कार्यरत है एवं इसके अंतर्गत भोपाल व परियोजना क्षेत्रों में कई प्रकार के जन कल्याण कार्यों को पूर्ण किया गया है। इस स्कीम के तहत् चालू वित्तीय वर्ष 2009–10 के दौरान किए जाने वाले विभिन्न समाजिक दायित्व के कार्यों के संपादन हेतु अंतिम रूप रेखा प्रदान कर दी गई है।

आने वाला समय हम सब को अपनी कार्यक्षमता के अनुरूप उसे प्रदर्शित करने का मौका प्रदान करेगा एवं नई खुशहाली लेकर आएगा, ऐसी मेरी कामना है।

अनेक शुभकामनाओं सहित...

कृष्ण मोहन सिंह
(कृष्ण मोहन सिंह)

भोपाल
31 मई 2009

एन.एच.डी.सी पत्रिका

संरक्षक
के.एम. सिंह
मुख्य कार्यपालक निदेशक

★

संपादक
एस. सान्याल
मुख्य अभियंता (पीएमएंडसी/सीसी)

★

उप संपादक
अनुराग सेठ
वरिष्ठ प्रबंधक (पीएमएंडसी/सीसी)

★

संजीव गुलेरिया
सहायक प्रबंधक (सीसी)

★

संपादकीय सहयोग
जीतेन्द्र श्रीवास्तव
बिन्दिया गुरुंग

क्र.	विषय	पृष्ठ क्र.
1.	ऑकारेश्वर परियोजना को राष्ट्रीय स्वर्ण पुरस्कार	3
2.	श्री एस.के. गर्ग व श्री के.एम. सिंह की माननीय मुख्य मंत्री से भेंट	3
3.	गणतंत्र दिवस समारोह	6
4.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	8
5.	राज्यस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता	10
6.	निगमीय सामाजिक दायित्व की गतिविधियाँ	11
7.	वृहद हिंदी कार्यशाला	19
8.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	21
9.	अन्य गतिविधियाँ	23
10.	बधाई एवं शुभकामनाएं	26
11.	प्रमुख उपलब्धियां	28

ऑकारेश्वर परियोजना को 'राष्ट्रीय स्वर्ण पुरस्कार'

महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, माननीय विद्युत मंत्री भारत सरकार श्री सुशील कुमार शिंदे की उपस्थिति में श्री एस.के.गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी व एनएचडीसी तथा श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एनएचडीसी को ऑकारेश्वर जल विद्युत परियोजना की प्रथम इकाई के समय से पूर्व निर्माण हेतु राष्ट्रीय स्वर्ण शील्ड से सम्मानित करते हुए।

माननीया राष्ट्रपति महोदया श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिनांक 17.02.2009 को आयोजित एक भव्य समारोह में एन.एच.डी.सी. की 520 मेगावाट ऑकारेश्वर जल विद्युत परियोजना को वर्ष 2007–08 के लिए समय से पूर्व जल विद्युत परियोजना निर्माण हेतु राष्ट्रीय स्वर्ण पुरस्कार से सम्मानित किया।

यह सम्मान माननीया राष्ट्रपति महोदया के करकमलों से श्री एस.के. गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी व एनएचडीसी और श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एनएचडीसी द्वारा प्राप्त किया गया। इसके पूर्व, वर्ष 2007 में एनएचडीसी की 1000 मेगावाट की इंदिरा सागर परियोजना को भी श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन के लिए राष्ट्रीय स्वर्ण शील्ड से सम्मानित किया गया था।

कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए माननीया राष्ट्रपति महोदया ने पुरस्कार प्राप्त सभी संस्थानों को बधाई दी।

श्री एस.के. गर्ग व श्री के.एम. सिंह की माननीय मुख्य मंत्री से भेंट

श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन से चर्चा करते हुए श्री एस.के. गर्ग, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचडीसी और श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एनएचडीसी।

श्री एस.के. गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी व एनएचडीसी तथा श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एनएचडीसी द्वारा दिनांक 31.01.2009 को श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय मुख्य मंत्री, मध्यप्रदेश से सौजन्य भेंट की गयी।

श्री गर्ग ने श्री चौहान को लगातार दूसरी बार मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री को एनएचडीसी की इंदिरा सागर व ऑकारेश्वर परियोजनाओं में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों से भी अवगत कराया। श्री गर्ग ने माननीय मुख्यमंत्री को उनके व मध्यप्रदेश शासन द्वारा एनएचडीसी के विकास में दिये गये सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए एनएचडीसी के मुख्यतः ताप व पवन ऊर्जा के क्षेत्र में विविधीकरण की योजना से भी अवगत कराया।

माननीय मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए और अधिक ऊर्जा परियोजनाओं के विकास पर जोर दिया व एनएचडीसी के ताप ऊर्जा के क्षेत्र में विविधीकरण की योजना का स्वागत किया। उन्होंने मध्यप्रदेश शासन की ओर से एनएचडीसी के इन प्रयासों मुख्यतः ताप ऊर्जा परियोजनाओं के विकास में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

एनएचडीसी द्वारा विद्युत उत्पादन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

श्री एस.के. गर्ग, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी व श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एनएचडीसी समझौता ज्ञापन के दस्तावेज का आदान-प्रदान करते हुए।

एनएचडीसी, जो कि एनएचपीसी की सहायक कंपनी है, द्वारा वर्ष 2009–10 में विद्युत उत्पादन के लिए दिनांक 31.03.2009 को अपनी नियंत्रक कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड, फरीदाबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एस.के. गर्ग और एनएचडीसी के मुख्य कार्यपालक निदेशक श्री के.एम. सिंह द्वारा एनएचपीसी निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में हस्ताक्षर किए गए। इस कार्य निष्पादन हेतु वर्ष 2009–10 में एनएचडीसी के लिए अपनी दोनों परियोजनाओं क्रमशः इंदिरा सागर व ओंकारेश्वर परियोजना से 2876 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन व अनुमानित शुद्ध लाभ रू 244.71 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है। इस निष्पादन का मूल्यांकन अगस्त 2010 में विद्युत मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।

केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों व उनकी सहायक कंपनियों के सार्वजनिक उपक्रम विभाग, भारत सरकार के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्येक वित्तीय वर्ष में सार्वजनिक उपक्रमों के कार्य निष्पादन के मूल्यांकन व निर्धारण के लिए इस समझौता ज्ञापन पर प्रशासनिक मंत्रालय व सार्वजनिक उपक्रम के मध्य हस्ताक्षर किए जाते हैं। वर्ष 2008 में कम वर्षा के बावजूद एनएचडीसी की दोनों परियोजनाओं से वित्तीय वर्ष 2008–09 में 2365 मिलियन यूनिट से अधिक विद्युत का उत्पादन किया गया। ज्ञात हो कि इंदिरा सागर परियोजना के विद्युत गृह से छोड़े जाने वाले सतत् जल प्रवाह से डाउन स्ट्रीम क्षेत्रों में पीने के पानी की नियमित रूप से आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है व नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण द्वारा इसकी 10 दिवसीय आधार पर मानिटरिंग की जाती है।

श्री डी.पी. भार्गव ने एनएचपीसी के निदेशक (तकनीकी) का पदभार ग्रहण किया

श्री डी.पी. भार्गव ने दिनांक 26.03.09 को एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले श्री भार्गव, एनएचपीसी में कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) थे।

01 अप्रैल 1956 को जन्मे श्री डी.पी. भार्गव ने रूड़की विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रतिष्ठा के साथ स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। श्री भार्गव ने एनएचपीसी में अपनी सेवा की शुरूआत 1979 में कार्यपालक प्रशिक्षु के पद से की थी तथा निगम मुख्यालय और परियोजनाओं के कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। श्री भार्गव ने जिन परियोजनाओं में अपनी सेवा प्रदान की, उनमें कुरिचू जल विद्युत परियोजना (भूटान), सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड का नाथपा झाकड़ी पावर स्टेशन आदि शामिल है। इसके अतिरिक्त श्री भार्गव ने नर्मदा हाइड्रोइलेक्ट्रिक डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड में जनवरी 2007 से जून 2008 तक की अवधि दौरान मुख्य कार्यपालक निदेशक के पद पर कार्यरत रहे। श्री भार्गव को 30 वर्षों से अधिक का विविध और प्रचुर कार्य अनुभव प्राप्त है। विभिन्न परियोजनाओं और निगम मुख्यालय में अपनी तैनाती के दौरान श्री भार्गव डिजाइन, निर्माण, स्थापन, परीक्षण तथा कमीशनिंग, प्रचालन तथा अनुरक्षण संबंधी विभिन्न गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। श्री भार्गव, प्रधानमंत्री की 50000 मेगावाट जल विद्युत पहल के अंतर्गत 18000 मेगावाट संभाव्यता वाली लगभग 40 जल विद्युत परियोजनाओं की पूर्व व्यवहार्यता (पीएफआर) रिपोर्ट तैयार करने के कार्य से जुड़े रहे हैं। एनएचडीसी के मुख्य कार्यपालक निदेशक के पद पर इनके कार्यकाल के दौरान ओंकारेश्वर परियोजना 520 मेगावाट की 65 मेगावाट की समस्त 8 यूनिटों को रिकार्ड समय में संचालित किया गया तथा परियोजना का पूरा कार्य निर्धारित कार्यक्रम से पहले पूरा कर लिया गया। श्री भार्गव को एन.एच.पी.सी. के निदेशक (तकनीकी) पद पर नियुक्ति हेतु एन.एच.डी.सी. परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई।

श्री जे.के. शर्मा ने एनएचपीसी के निदेशक (परियोजनाएं) का पदभार ग्रहण किया

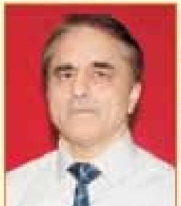

श्री जे.के. शर्मा ने दिनांक 10.04.2009 को एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (परियोजनाएं) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले श्री शर्मा सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) भारत सरकार व हिमाचल प्रदेश सरकार की मिनी रत्न एवं अनुसूची ए कम्पनी में निदेशक (सिविल) के पद पर कार्यरत थे।

श्री जे.के. शर्मा ने इंदौर विश्वविद्यालय से सर्वोच्च स्थान प्राप्त करते हुए डिस्टिंक्शन के साथ सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। श्री शर्मा को भारत एवं विदेश में मुख्य तौर पर जल विद्युत क्षेत्र में 29 वर्षों से अधिक का व्यापक एवं विविधतापूर्ण अनुभव है।

राष्ट्रीय गौरव अवार्ड एवं मदर टेरेसा एक्सेलेंस अवार्ड से विभूषित, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स तथा इंडियन नैशनल हाइड्रोपावर एसोसिएशन के सदस्य, इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, इंडिया के फेलो श्री जे.के. शर्मा के विभिन्न भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में हाइड्रो उद्योग पर आलेख प्रकाशित हुए हैं। श्री शर्मा को निदेशक (परियोजनाएं) के पद पर नियुक्ति हेतु एनएचडीसी परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई।

श्री आर. एस. मीना ने एनएचपीसी के निदेशक (कार्मिक) का पदभार संभाला

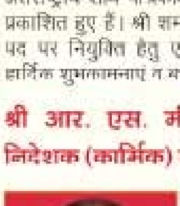

श्री आर.एस.मीना ने दिनांक 28.04.2009 को एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) का पद भार संभाल लिया है। इससे पहले श्री मीना एनएचपीसी में कार्यपालक निदेशक (परामर्श एवं व्यवसाय विकास) थे।

12 जनवरी 1957 को जन्मे श्री मीना ने 1979 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इन्होंने वित्तीय प्रबंधन तथा मानव संसाधन में विशेषज्ञता के साथ एम.बी.ए. की डिग्री भी प्राप्त की है।

श्री मीना ने अपने व्यावसायिक कैरियर की शुरूआत 1980 में इंडियन पेट्रो कैमिकल कारपोरेशन लिमिटेड से प्रशिक्षु इंजीनियर के रूप में की। एनएचपीसी में आपके कैरियर की शुरूआत 1981 में इंजीनियर (विद्युत) के पद से हुई। नवम्बर 1991 में आपकी सेवाएं पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को स्थानांतरित कर दी गई। जहां आपको व्यवसाय विकास कार्य का दायित्व सौंपा गया। आपने पुनः 1998 में एनएचपीसी में मुख्य अभियंता का पदभार संभाला तथा अनेक महत्वपूर्ण पदों पर रहे। श्री मीना के पास 28 वर्षों से अधिक का व्यापक और विविधतापूर्ण अनुभव है। ट्रांसमिशन लाइन तथा जल विद्युत परियोजनाओं के डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, क्रियान्वयन, परीक्षण और कमीशनिंग जैसे प्रमुख तकनीकी दायित्वों को निभाने के अलावा आपने मानव संसाधन विकास, कारपोरेट संचार, राजभाषा तथा सुविधा प्रबंधन जैसे विभागों को नेतृत्व प्रदान किया है।

1998 से अब तक एनएचपीसी के परामर्श एवं व्यवसाय विकास (सी एंड बीडी) विभाग में आपके कार्यकाल के दौरान कंपनी को अनेक परामर्शी सेवाओं के कार्य प्राप्त हुए हैं। परामर्शी एवं व्यवसाय विकास विभाग के अध्यक्ष के रूप आपके कुशल नेतृत्व में एनएचपीसी को तीन विभिन्न देशों यथा भूटान, म्यांमार तथा ताजिकिस्तान में लगभग 5000 मेगावाट की परामर्शी सेवाएं देने का कार्य प्राप्त किया है। आपने मांगडेछु परियोजना (भूटान), तमंथी परियोजना (म्यांमार) तथा वारजोब परियोजना (ताजिकिस्तान) जैसी अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए परामर्शी सेवाओं का कार्य किया है।

मानव संसाधन विकास विभाग के अध्यक्ष के रूप में आपके द्वारा की गई पहल से भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएमएस), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थाओं (आईआईटी) जैसे प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के साथ उद्यम बनाए जाने हेतु नीतिगत गठबंधन बनाने तथा अन्य प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों की मेजबानी हेतु मार्ग प्रशस्त हुआ है। श्री मीना ने यू.के., फ्रांस, भूटान, ताजिकिस्तान, म्यांमार, नेपाल इत्यादि जैसे विभिन्न देशों की यात्राएं की हैं। एनएचडीसी परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई।

नवम्बर 2008 - मई 2009

गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

निगम मुख्यालय, भोपाल

ध्वजारोहण करते हुए श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एनएचडीसी।

एन.एच.डी.सी द्वारा गणतंत्र दिवस की 60वीं वर्षगांठ को निगम मुख्यालय, भोपाल, इंदिरा सागर परियोजना, ओंकारेश्वर परियोजना व आर एण्ड आर कार्यालय, खण्डवा में दिनांक 26 जनवरी 2009 को बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। निगम मुख्यालय, भोपाल में मुख्य अतिथि श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक द्वारा इस पावन पर्व पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर सभी मुख्य/मुख्य अभियंता, अधिकारी व कर्मचारी सपरिवार उपस्थित हुए। श्री सिंह ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एनएचडीसी की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए सराहना की।

उन्होंने अपने भाषण में आह्वान किया कि हम सब को दृढ़ निश्चय के साथ मिलजुल कर देश के विकास में योगदान देना चाहिये। उन्होंने अपने उद्बोधन में स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों को भी याद किया जिन्होंने देश के लिये प्राण न्यौछावर किये। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत गीत भी प्रस्तुत किए।

इंदिरा सागर पावर स्टेशन

ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान में उपस्थित महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन।

गणतंत्र दिवस समारोह इंदिरा सागर पावर स्टेशन के केन्द्रीय विद्यालय प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन श्री आर.बी. माथुर द्वारा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के अवसर पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों द्वारा राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई। श्री माथुर ने शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए वहाँ उपस्थित समस्त नागरिकों, बच्चों एवं अधिकारी–कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की बधाईयां दी साथ ही बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

श्री माथुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2007–08 में निगम के शुद्ध लाभ के बारे में बताते हुए इंदिरा सागर पावर स्टेशन द्वारा प्रदेश के बहुमुखी विकास में विभिन्न सहयोग का भी उल्लेख किया गया। श्री माथुर द्वारा परियोजना को चलाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार, एनवीडीए के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के विशेष योगदान बताते हुए उन्हें गणतंत्र दिवस की बधाई दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के उपरांत बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

ओंकारेश्वर परियोजना

ध्वजारोहण करते हुए श्री एस.पी. सिन्हा, महाप्रबंधक, ओंकारेश्वर परियोजना।

ओंकारेश्वर परियोजना में गणतंत्र दिवस की 60 वीं वर्षगांठ बड़े हर्ष व उल्लास के साथ मनाई गई। ओंकारेश्वर परियोजना के महाप्रबंधक श्री एस.पी.सिन्हा द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

तत्पश्चात उन्होंने परियोजना सुरक्षा बल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत श्री सिन्हा ने समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुये गणतंत्र दिवस की 60 वीं वर्षगांठ की बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा की आप सभी के कठिन परिश्रम व मेहनत के बल पर ओंकारेश्वर परियोजना के कार्य सफलता पूर्वक समय से पहले पूर्ण हो चुके हैं।

ध्वजारोहण के पश्चात् ओंकारेश्वर परियोजना में स्थित फर्स्ट स्टेप के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया गया।

महिलाओं की प्रतियोगिता का शुभारंभ श्रीमती बी.के. सिन्हा व पुरुषों की प्रतियोगिता का शुभारंभ महाप्रबंधक श्री एस.पी.सिन्हा के द्वारा किया गया। समारोह के अवसर पर समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

आर एण्ड आर कार्यालय, खण्डवा

ध्वजारोहण करते हुए श्री राजेश डोंगरे, निदेशक, एनएचडीसी।

आर एण्ड आर कार्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण श्री राजेश डोंगरे निदेशक, एनएचडीसी द्वारा किया गया। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर्व की सभी को शुभकामनाऐं दी। उन्होंने कहा कि यह प्रशंसा का विषय है कि एनएचडीसी अपने लक्ष्य के अनुरूप विद्युत उत्पादन कर प्रदेश का अंधेरा कम करने में सफल रही है इसके लिये उन्होंने एनएचडीसी अधिकारियों व कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आर एण्ड आर कार्यालय परिसर में आयोजित इस समारोह में अपर संचालक (पुनर्वास) श्री बी.एल. कुलमी सहित विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों ने भाग लिया।

अपने संबोधन में श्री डोंगरे ने आगे कहा कि भारत एक पूर्ण प्रजातांत्रिक देश है किन्तु कुछ आतंकवादियों द्वारा देश में आतंकवाद फैलाकर इसे कमजोर बनाने की साजिशें की जा रही है जिसे सभी को मिल–जुलकर नाकाम करने की जरूरत है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2008

एन.एच.डी.सी. द्वारा निगम मुख्यालय, भोपाल इंदिरा सागर पावर स्टेशन व ओंकारेश्वर परियोजना एवं आर एण्ड आर कार्यालय, खंडवा में दिनांक 03.11.2008 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह (दिनांक 03 नवम्बर से 07 नवम्बर 2008 तक) का शुभारंभ बड़े उत्साहपूर्वक किया गया।

निगम मुख्यालय, भोपाल

श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक दीप प्रज्ज्वलन कर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारम्भ करते हुए।

निगम मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एन.एच.डी.सी. द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर श्री एम. डब्ल्यू. खान महाप्रबंधक (वित्त), मुख्य/मुख्य अभियंता व एनएचडीसी के सभी कार्मिक उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री के.एल. सोलंकी, मुख्य अभियंता (सतर्कता) ने सतर्कता विभाग द्वारा किए जा रहे सतर्कता जागरूकता संबंधी विभिन्न

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारम्भ अवसर पर शपथ ग्रहण करते हुए वरिष्ठ अधिकारीगण।

कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मुख्य अतिथि श्री के.एम. सिंह, की उपस्थिति में सभी कार्मिकों ने ईमानदारी और पारदर्शिता बनाये रखने के लिये निरंतर प्रयत्नशील रहने की शपथ ग्रहण की। उन्होंने कहा कि हमें भ्रष्टाचार को मिटाने के लिये सबसे पहले अपने मन पर नियंत्रण करना होगा और उसके बाद सदाचार के ऊपर ध्यान देना होगा। सप्ताह के दौरान काव्य पाठन, वाद–विवाद, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं में एनएचडीसी के अधिकारी/कर्मचारी व उनके परिवार की महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। समापन समारोह के अवसर पर श्री विजय बाते, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया व मुख्य कार्यपालक निदेशक, एन.एच.डी.सी. श्री के.एम. सिंह कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित हुए।

मुख्य अतिथि श्री विजय बाते ने अपने सम्बोधन में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया व श्री के.एम. सिंह, ने कार्यालयीन कार्य में सतर्कता जागरूकता की महत्ता के बारे में बताया। समापन समारोह में विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि व मुख्य कार्यपालक निदेशक, एन.एच.डी.सी. द्वारा पुरस्कृत किया गया।

इंदिरा सागर पावर स्टेशन

दिनांक 03 नवम्बर 2008 को सामुदायिक केन्द्र, नर्मदा नगर में दीप प्रज्ज्वलन कर सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। तत्कालीन परियोजना प्रमुख श्री एस.के. अग्रवाल द्वारा उपस्थित कार्मिकों को शपथ ग्रहण कराई गई। परियोजना से संबंधित कार्यालयों, अस्पताल, अजनाल पुनासा गेस्ट हाउस, केन्द्रीय विद्यालय, सामुदायिक केंद्रो, बैंक, पोस्ट ऑफिस, एवं नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के कार्यालयों पर हिन्दी एवं अंग्रेजी में बनाए गए बैनर एवं पोस्टर आदि लगाए गए। 'भ्रष्टाचार मिटाने हेतु व्यक्ति विशेष की भूमिका' विषय पर परियोजना में कार्यरत कार्मिकों के 15 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'भ्रष्टाचार निवारण में मेरी भूमिका एवं मेरा भारत महान' विषय पर परियोजना में कार्यरत कार्मिकों के लिए काव्य पाठ का आयोजन किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर मंच पर आसीन वरिष्ठ अधिकारीगण।

कार्यपालकों एवं अकार्यपालकों के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता 'भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष में सूचना के अधिकार का उपयोग' विषय पर आयोजित की गयी। एनएचडीसी महिला कल्याण समिति की महिलाओं के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय 'समाज सेवा और भ्रष्टाचार' था। श्री पी.के. घोषाल मुख्य अभियंता ने 'पारदर्शिता का विकास में योगदान' विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

ओंकारेश्वर पावर स्टेशन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारम्भ दिनांक 03 नवम्बर, 2008 को श्री एस.पी. सिन्हा, महाप्रबंधक, ओंकारेश्वर परियोजना के करकमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन तथा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर श्री सिन्हा द्वारा उपस्थित सभी कार्मिकों को शपथ ग्रहण कराई गई। इसी क्रम में श्री सिन्हा ने समस्त सभासदों को सम्बोधित कर सतर्कता का महत्व व इसकी आवश्यकता को प्रतिपादित करते हुए कहा कि सतर्कता एवं पारदर्शिता को अपने कार्य का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिये।

परियोजना सतर्कता अधिकारी के मार्गदर्शन में ओंकारेश्वर परियोजना कार्यालय, विद्युत गृह परिसर, बांध परिसर एवं ऊर्जा विहार परिसर के विभिन्न स्थलों जैसे कार्यालय के समस्त विभागों, विद्यालय, औषधालय एवं परियोजना के निकट स्थित प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर बेनर/पोस्टर/ लगाये गये एवं लीफलेट्स वितरित किये गये। परियोजना कार्यालय में काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिनका विषय था 'भ्रष्टाचार निवारण में मेरी भूमिका' व 'देश के प्रति मेरा कर्तव्य'। कार्मिकों के बड़े बच्चों के मध्य 'न्याय प्रणाली में भ्रष्टाचार'/'भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष में प्रत्येक का योगदान' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'मेरा भारत महान' विषय पर परियोजना की महिलाओं द्वारा काव्य पाठ एवं 'भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष में सूचना के अधिकार का उपयोग' (Role of RTI in fighting coruption) विषय पर कार्यपालकों/अकार्यपालकों के मध्य वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

श्री एस.पी. सिन्हा, महाप्रबंधक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारम्भ अवसर पर शपथ ग्रहण कराते हुए।

परियोजना कार्यालय में कॉरपोरेट सोशल रिसपोन्सबिलिटी/एन.एच.डी.सी. लेडीज वेलफेयर एसोसिऐशन के सहयोग से परियोजना कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों के परिवार की महिलाओं के मध्य 'समाज सेवा और भ्रष्टाचार' विषय पर एक वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन एवं अधिकारियों/कर्मचारियों के 10 वर्ष तक आयु के बच्चों हेतु 'बचपन' विषय पर काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। समापन समारोह के अवसर पर श्रीमती श्रद्धा झा, तत्कालीन प्राचार्या, केन्द्रीय विद्यालय, बड़वाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किये गये। पुरस्कार वितरण के पश्चात श्री एस.पी. सिन्हा द्वारा "पारदर्शिता का विकास में योगदान" (Transparency as a tool in Development) विषय पर व्याख्यान दिया गया।

ऊर्जा संरक्षण अभियान – 2008 के अंतर्गत
राज्यस्तरीय बाल चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के प्रतिभागी बच्चों के साथ श्री ए.के. कपूर, मुख्य (मा. संसा.), श्री अखिलेश जैन, वरिष्ठ प्रबंधक (मा. संसा.) व अन्य विशेष अतिथि।

एनएचडीसी द्वारा विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय अभियान – 2008 के अंतर्गत दिनांक 14 नवंबर, 2008 को प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आये छात्र व छात्राओं ने अपने चित्रकला कौशल के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण के कई आयामों पर अपने रंग बिखेरे एवं अपनी मुखर अभिव्यक्ति से कागजी कैनवासों को जीवंत कर दिया।

ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के ऊर्जा संरक्षण अभियान के तहत मध्यप्रदेश में इस अभियान के क्रियान्वयन हेतु एन.एच.डी.सी. (नोडल एजेंसी) द्वारा 14 नवंबर (बाल दिवस) पर आयोजित इस बाल चित्रकला प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से चयनित 50 बच्चों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश में इस अभियान के तहत विभिन्न स्कूलों के 13000 से अधिक बच्चों ने भाग लिया तथा ऊर्जा संरक्षण के इस अभियान में सहभागिता की। इस कार्य में राज्य शिक्षा केन्द्र, राजीव गांधी शिक्षा मिशन तथा स्कूल के प्रधान अध्यापकों तथा शिक्षकगणों ने अपना विशेष सहयोग दिया।

हिंदी भवन, भोपाल में आये नन्हें कलाकार बच्चों में विभिन्न स्कूलों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नन्हें बच्चे सम्मिलित हुए। इस प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रथम 10,000/– रुपये, द्वितीय 8000/–रुपये, तृतीय 5000/– रुपये एवं 10 पुरस्कार 1000/– प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में दिये गये। एन.एच.डी.सी. द्वारा आयोजित इस चित्रकला प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री नारायण सिंह आजाद, सदस्य मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग तथा कार्यक्रम अध्यक्ष मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मुख्य सचिव श्री के.एस. शर्मा थे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में एन.एच.डी.सी. के वरिष्ठ अधिकारी, राजीव गांधी शिक्षा मिशन के अधिकारी तथा बच्चों के पालक/शिक्षकगण उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री नारायण सिंह आजाद ने नैतिक मूल्यों पर आधारित विकास को बल दिया एवं नन्हीं प्रतिभाओं की हृदय से सराहना की तथा उन्होंने एन.एच.डी.सी को भी ऐसे सुरुचीपूर्ण व सफल आयोजन करने की बधाईयाँ दी।

कार्यक्रम अध्यक्ष श्री के.एस. शर्मा ने भी विजयी हुये प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुये उनकी सृजनात्मकता एवं कला प्रस्तुति की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इस प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार विजेताओं ने 14 दिसम्बर 2008 को विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया।

निगमीय सामाजिक दायित्व योजना के अंतर्गत आयोजित मुख्य गतिविधियाँ

निगम मुख्यालय, भोपाल

"भोपाल झील गहरीकरण" अभियान में रूपये 5.00 लाख का योगदान एवं श्रमदान

श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एनएचडीसी, श्री सुनील सूद, महापौर भोपाल, व एन.एच.डी.सी. के अन्य अधिकारी व कर्मचारी राजधानी की झील गहरीकरण अभियान में श्रमदान करते हुए।

एनएचडीसी के कार्मिकों द्वारा दिनांक 19 फरवरी 2009 को 'भोपाल झील गहरीकरण' अभियान के अंतर्गत श्रमदान किया गया। श्रमदान का शुभारंभ एन.एच.डी.सी. के मुख्य कार्यपालक निदेशक, श्री के.एम. सिंह द्वारा किया गया। एन.एच.डी.सी. परिवार के लगभग 200 कार्मिकों ने अति उत्साह से झील गहरीकरण कार्य में योगदान दिया। कार्मिकों ने भोपाल की इस खूबसूरत धरोहर को संजोये रखने के लिये श्रमदान अभियान में भरपूर सहयोग दिया। श्री के.एम. सिंह द्वारा निगमीय सामाजिक दायित्व के अंतर्गत भोपाल झील गहरीकरण अभियान "अपना सरोवर अपनी धरोहर" में भोपाल महापौर श्री सुनील सूद को रूपये 5.00 लाख (रूपये पाँच लाख मात्र) का चेक भेंट किया गया ताकि झील से ज्यादा से ज्यादा मिट्टी निकालकर गहरा बनाया जा सके एवं इसकी जल संचय क्षमता बढ़ाई जा सके। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री मनीष सिंह भी उपस्थित थे । नगर निगम ने एन.एच.डी.सी. को इस योगदान के लिये धन्यवाद दिया।

विशाल नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

एन.एच.डी.सी. द्वारा सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के तहत दिनांक 02.03.2009 को एक विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन ग्राम श्यामपुर, जिला सीहोर में किया गया। इस निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

दीप प्रज्वलन कर नेत्र चिकित्सा शिविर का शुभारंभ करते हुए श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक।

का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री के.एम. सिंह, मुख्य कार्यपालक निदेशक, एनएचडीसी द्वारा किया गया। इस अवसर पर एनएचडीसी के महाप्रबंधक, मुख्य/मुख्य अभियंता व अन्य अधिकारी/कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस शिविर का आयोजन सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय (ट्रस्ट) के सहयोग से किया गया। अपने उदबोधन में श्री के.एम. सिंह ने एन.एच.डी.सी. के विद्युत उत्पादन के अतिरिक्त अपने सामाजिक दायित्व के अंतर्गत समाज के निर्बल वर्ग को सहयोग किये जाने हेतु संकल्प को दोहराया।

इस शिविर में ग्राम श्यामपुर के नजदीकी व दूर दराज गांवों के लगभग 400 पुरुष, महिलाओं व बच्चों ने निःशुल्क नेत्र की जांच कराकर दवाएं प्राप्त की। इसके अतिरिक्त इस शिविर में लगभग 55 मोतियाबिंद से ग्रस्त रोगियों की पहचान की गई। इन रोगियों का आपरेशन सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में किया जाएगा एवं इस पर आने वाला पूर्ण व्यय एनएचडीसी द्वारा वहन किया जायेगा।

आनन्द धाम सेवा भारती, भोपाल को औषधालय के निर्माण हेतु चेक भेंट

निगमीय सामाजिक दायित्व के अंतर्गत दिनांक 20 जनवरी 2009 को आनन्दधाम, वरिष्ठ जन सेवा केन्द्र, सेवा भारती (मध्य भारत) भोपाल के प्रांगण में रहने वाले वृद्ध नागरिकों के स्वास्थ्य की अहम आवश्यकता के दृष्टिगत औषधालय के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया।

आनन्दधाम वृद्धाश्रम, भोपाल औषधालय निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि श्री आर.पी. पाठक व श्री एस.सान्याल।

काफी समय से आनन्दधाम में निवासरत लगभग 40 वृद्धों के स्वास्थ्य के लिये औषधालय निर्माण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। एनएचडीसी द्वारा इस औषधालय के निर्माण कार्य के लिये 4,50,000/– रुपये का अनुदान आनन्दधाम को दिया गया। एनएचडीसी के वरिष्ठ अधिकारी श्री आर.पी.पाठक, श्री के.एल.सोलंकी, श्री एस सान्याल, श्री हरीश कुमार, श्री डी.के.गुप्ता एवं श्री ए.के कपूर के साथ सेवा भारती संस्थान के डा. डी.पी. शर्मा अध्यक्ष, श्री आर.पी. मिश्रा, उपाध्यक्ष एवं श्री संजय इंदुरख्या सचिव आनन्द धाम उपस्थित थे।

गायत्री शक्तिपीठ के शिक्षा व्यय वहन करने बाबत् चेक भेंट

गायत्री शक्तिपीठ, भोपाल के शिक्षा व्यय वहन हेतु चेक भेंट।

एनएचडीसी द्वारा निगम की सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अंतर्गत नियमित आधार पर सामाजिक सेवा एवं विकास के कार्यक्रम के अनुक्रम में गायत्री शक्तिपीठ द्वारा संचालित आचार्य श्रीराम हाईस्कूल की 'मानस पुत्र योजना' के तहत कक्षा 9वीं एवं 10वीं में गरीब एवं कमजोर वर्ग के अध्ययनरत् बच्चों का एक वर्ष का शिक्षा व्यय वहन करने का निर्णय लिया गया है विद्यालय में दिनांक 06.11.2008 को आयोजित कार्यक्रम में रु.18,000/– का चेक विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती दुर्गावती गर्ग को दिया गया।

गांधी आश्रम, भोपाल के निःशक्त बच्चों को सहायता प्रदान

गांधी आश्रम, भोपाल में निःशक्त बच्चों को सहायता प्रदान करते हुए महाप्रबंधक (मा.संसा.) श्री डी.एस.चौहान एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण।

नव वर्ष के अवसर पर एनएचडीसी द्वारा गांधी आश्रम, भोपाल में निःशक्त बच्चों हेतु बिस्तर, रजाई, तकीया एवं मच्छरदानी के 45 सेट भेंट किए गए। इस अवसर पर तत्कालीन महाप्रबंधक (मा.संसा.) श्री डी.एस. चौहान, मुख्य (मा.संसा.) श्री ए.के. कपूर एवं वरिष्ठ प्रबंधक (मा. संसा.) श्री अशोक कुमार उपस्थित थे।

निः शुल्क टीकाकरण एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

ग्रामीण बच्चों को टीका लगाते हुए चिकित्सा अधिकारी।

एनएचडीसी द्वारा दिनांक 13.02.09 को सामाजिक दायित्व योजना के अंतर्गत शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यायल, गांधीनगर में एक विशाल टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया।

बाल रोग विशेषज्ञों की देखरेख में इस स्कूल के करीब 400 बच्चों को टाइफाइड एवं एमएमआर (मिजेल्स,मंम्स रूबेला) के टीके लगाये गए।

सेवा भारती को स्टील टेबल एवं दरियाँ भेंट

सेवा भारती को स्टील टेबल एवं दरियाँ भेंट करते हुए वरिष्ठ अधिकारीगण।

एनएचडीसी द्वारा अपने सामाजिक दायित्व योजना के अन्तर्गत दिनांक 26.03.2009 को सेवा भारती द्वारा झुग्गी बस्तियों में संचालित 96 सेवा प्रकल्पों हेतु 96 स्टील टेबल एवं 192 दरियाँ भेंट की गई। इन केन्द्रों पर शिक्षा एवं स्वरोजगार प्रशिक्षण के साथ ही बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती है। इसके अतिरिक्त एनएचडीसी द्वारा पांच कम्प्यूटर एवं दो लैपटाप भी प्रशिक्षण हेतु प्रदान किये गये।

इस अवसर पर श्री ए.के. कपूर, मुख्य (मानव संसाधन), एनएचडीसी ने मानव सेवा से संबंधित कार्यों के लिये निगम के संकल्प एवं प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार एवं अन्य अधिकारीगण तथा सेवा भारती के विभिन्न मण्डलों के पदाधिकारी उपस्थित थे। सेवा भारती के अध्यक्ष डा. शर्मा ने एनएचडीसी के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रदर्शित करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया।

''मातृछाया'' संस्था को कम्प्यूटर भेंट

''मातृछाया'' संस्था को कम्प्यूटर भेंट।

निगम के सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के अन्तर्गत सेवा भारती (मध्यभारत), मातृछाया भोपाल द्वारा संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र में युवाओं के रोजगारमुखी विकास के लिये दिनांक 25.11.2008 को एक कम्प्यूटर भेंट किया गया। इस अवसर पर तत्कालीन महाप्रबंधक श्री चौहान ने बताया कि निगम सामाजिक सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर युवाओं के रोजगार प्रशिक्षण एवं विकास हेतु प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर श्री अशोक कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) भी उपस्थित थे। संस्था के सचिव श्री सोमकान्त उमालकर ने इस अवसर पर निगम के प्रति संस्था का आभार व्यक्त किया।

एनएचडीसी की सौगात

राकेश कुमार गिरी
हेल्पर, इंदिरा सागर पावर स्टेशन।

एनएचडीसी देती हर घर को बिजली,
हजारों हाथों को काम
गिनत–गिनत उंगली थक जायी
ऐसे है इसके काम
देव भूमि नर्मदा नगर एवं ओंकारेश्वर ने दिया
राष्ट्र को एनएचडीसी का उपहार।
ऐसी ही अनेक परियोजनाओं की
एनएचडीसी में संभावनाएं अपार।।
राष्ट्र के प्रमुखों एनएचडीसी को सौंपे
जल विद्युत के सारे काम।
एनएचडीसी पीने को अमृत जल देती,
मत्स्य पालकों को देती है काम।।
एनएचडीसी लेडिज वेलफेयर
गरीबों के उत्थान का करती है काम।
एनएचडीसी परियोजनाएं करवाती
गरीबों का मुफ्त इलाज।।
ऐसे अनेकों कामों की
एनएचडीसी में हैं संभावनाएं अपार।
नियत समय से पहले परियोजनाओं को पूरा कर,
राष्ट्र को दिया अनुपम उपहार।।

इंदिरा सागर पावर स्टेशन

नर्मदा नगर में फल एवं सब्जी मार्केट का निर्माण

फल एवं सब्जी मार्केट का निर्माण का उद्घाटन करते हुए श्री एस.के. अग्रवाल, तत्कालीन महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन।

इंदिरा सागर पावर स्टेशन की निगमीय सामाजिक दायित्व योजना वर्ष 2008–09 के अंतर्गत नर्मदा नगर में फल एवं सब्जी मार्केट का नव निर्माण किया गया। जिसका उद्घाटन श्री एस. के. अग्रवाल तत्कालीन महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन के कर – कमलों से दिनांक 28.12.2008 को किया गया। इस उद्घाटन समारोह में परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों एवं महिला कल्याण समिति की सदस्य तथा नर्मदा नगर पंचायत के सरपंच एवं ग्रामीण भी उपस्थित थे। उद्घाटन उपरांत फल एवं सब्जी मार्केट को संचालित करने हेतु पंचायत, नर्मदा नगर को सुपुर्द किया गया ।

शासकीय चिकित्सालय, ग्राम मुंदी में वार्डों का पुनर्निर्माण एवं फर्नीचर प्रदाय

निगमीय सामाजिक दायित्व योजना के अर्न्तगत शासकीय चिकित्सालय, मुंदी में महिला वार्ड, पुरुष वार्ड एवं शिशु वार्ड का पुनर्निर्माण कराया गया एवं चिकित्सालय में फर्नीचर एवं अन्य चिकित्सीय उपकरण प्रदान किये गये जिसे अस्पताल प्रभारी डॉ. लक्ष्मी बघेल ने स्वीकार किया।

पुनर्निर्माण कार्य का उद्घाटन श्री एस. के. अग्रवाल, तत्कालीन महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन के कर – कमलों से दिनांक 31.12.2008 को खंडवा की मुख्य चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में

शासकीय चिकित्सालय, ग्राम मुंदी में वार्डों का पुनर्निर्माण एवं फर्नीचर प्रदाय के अवसर पर उपस्थित तत्कालीन महाप्रबंधक एवं अस्पताल प्रभारी।

किया गया। इस अवसर पर परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी एवं महिला कल्याण समिति की सदस्या भी उपस्थित थीं।

कम्प्यूटर वितरण

शासकीय प्राथमिक कन्या शाला, नर्मदानगर को कम्प्यूटर प्रदान करते हुए तत्कालीन महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन।

निगमीय सामाजिक दायित्व योजना के अर्न्तगत शासकीय प्राथमिक कन्या शाला, नर्मदानगर, शासकीय प्राथमिक बालक शाला, नर्मदानगर, शासकीय प्राथमिक कन्या शाला, पुनासा एवं लायंस स्कूल, मुंदी में बच्चों को कम्प्यूटर शिक्षा प्रदान करने हेतु कम्प्यूटर एवं फर्नीचर प्रदान किये गये।

ग्राम रिछी, बेड़ानी में बोरवेल एवं पानी की टंकी का निर्माण

बोरवेल एवं पानी की टंकी निर्माण के अवसर पर उपस्थित तत्कालीन महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन।

निगमीय सामाजिक दायित्व योजना के अन्तर्गत ग्राम रिछी एवं ग्राम बेड़ानी में पेय जल समस्या को हल करने हेतु बोरवेल की व्यवस्था की गयी। इसके लिए पानी की टंकी का निर्माण करवाया गया। निर्माण कार्य का उद्घाटन श्री एस.के. अग्रवाल, तत्कालीन महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन द्वारा दिनांक 28.12.2008 को किया गया।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन

कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित तत्कालीन महाप्रबंधक, इंदिरा सागर पावर स्टेशन एवं महिला कल्याण समिति के सदस्य।

ग्रामीण महिलाओं को कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति जागरूक बनाने हेतु महिला कल्याण समिति के तत्वाधान में ग्राम पुनासा में कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र प्रारंभ किया गया। केन्द्र का उद्घाटन तत्कालीन महाप्रबंधक श्री एस. के. अग्रवाल एवं श्रीमती संगीता अग्रवाल ने दिनांक 28.12.2008 को किया।

ओंकारेश्वर परियोजना

नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा नेत्र जाँच।

ओंकारेश्वर परियोजना द्वारा निगम के सामाजिक दायित्व के तहत सनावद में पुनर्वास स्थलों एखण्ड, इन्धावड़ी, मोगाँवा, इनपुन व आस पास के क्षेत्र के निवासियों के लिए नि:शुल्क नेत्र शिविर जाँच का आयोजन लायन्स क्लब, सनावद एवं एनएचडीसी ओंकारेश्वर परियोजना के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। नेत्र शिविर का शुभारंभ एनएचडीसी के श्री बी.के. शर्मा, मुख्य अभियंता (यांत्रिकी) व लायन्स क्लब, सनावद के अध्यक्ष श्री अजय मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर खरगोन के प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय फुलेरिया, डॉ. आर.एस. पाटीदार (सनावद) ने मरीजों का ईलाज किया। शिविर में मरीजों के आवास, दवाईयाँ, चश्मे, इत्यादि की नि:शुल्क व्यवस्था की गई।

शिविर में आये लगभग 240 मरीजों ने नेत्र शिविर आयोजन में आपरेशन के लिए नाम दर्ज करवाया उनमें से 105 मरीजों को मोतियाबिंद आपरेशन के लिए चयनित किया गया है। दिनांक 15.12.208 से दिनांक 16.12.2008 तक उनका आपरेशन शासकीय अस्पताल में किया गया। इस शिविर से कई ग्रामीणों को नेत्र रोग से लाभ मिला।

विकलांग चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनांक 27.09.2008 से 28.09.2008 तक ओंकारेश्वर परियोजना के पुनर्वास स्थल इनपुन के निकट स्थित सनावद नगर में मानव सेवा समिति, सनावद द्वारा विकलांग शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

चिकित्सा शिविर में भर्ती मरीज।

दिनांक 27.09.2008 को शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री एस.पी.सिन्हा, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने उद्बोधन में शिविर के सफल आयोजन हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में संचेती इंस्टीट्यूट पूना के पद्मश्री डॉ. के.एच. संचेती, श्री बी.के. शर्मा, मुख्य अभियंता (यांत्रिकी) परियोजना के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारीगण एवं सनावद व आस–पास के क्षेत्र के विभिन्न गणमान्य नागरिक व बड़ी संख्या में मरीज उपस्थित थे।

ओंकारेश्वर परियोजना द्वारा शिविर के आयोजन हेतु विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की गई जिसमें तहत् शिविर में आने वाले समस्त मरीजों, नर्स, वार्ड बॉय, तकनीशियन, कार्यकर्ता इत्यादि के भोजन, मरीजों की दवाई आपरेशन धागे, प्लास्टर इत्यादि हेतु सर्जिकल शुल्क एवं केलिपर्स वितरण हेतु लगभग 1,30,000/– रूपये की सहायता मानव समिति सनावद को शिविर आयोजन हेतु दी गई। शिविर में लगभग 300 मरीजों का परीक्षण किया गया एवं परीक्षण उपरांत कुल 30 मरीजों की शल्य चिकित्सा की गई एवं शल्य चिकित्सा के उपरांत कुल 1६ मरीजों को केलीपर्स, ट्राईसाइकिल इत्यादि का वितरण किया गया।

पल्स पोलियो अभियान

ओंकारेश्वर परियोजना में पल्स पोलियो अभियान दिनांक 19.12.2008 को बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाकर मनाया गया। इसमें परियोजना के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद कुमार, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ओंकारेश्वर के डॉ. रोहित हिल्वे, डॉ. सत्या, खंडवा जिला चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।

आर एंड आर कार्यालय, खण्डवा

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

एनएचडीसी के महाप्रबंधक (आरएण्डआर) बी.डी. शंखवार ने कहा कि मानव जीवन का प्रथम सुख निरोगी काया है। इसी परम सुख से सम्पन्न बनाने के लिये जिले के दूरस्थ आदिवासी अंचल के लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार के जरिये उन्हें निरोगी रखने का यह प्रयास एनएचडीसी ने अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने की दिशा में किया है। बड़ी संख्या में लोग शिविर का लाभ लेने के लिए उपस्थित हुए।

दीप प्रज्वलन कर शिविर का उद्घाटन करते हुए महाप्रबंधक (आरएण्डआर)

श्री शंखवार ने कहा कि स्वास्थ्य किसी भी देश की प्रगति की महत्वपूर्ण कड़ी है और एनएचडीसी ने भी इसी कड़ी से जुड़कर कसौटी पर खरा उतरने का प्रयास किया है।

इस शिविर में 2 वर्ष से लेकर 80 वर्ष उम्र तक के रोगियों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर चिकित्सा लाभ लिया। शिविर में उपस्थित ह्रदय रोग विशेषज्ञ एवं फिजिशियन डॉ. एस.एस.चौहान, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के.चौधरी, डॉ. शरद अग्रवाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मी डुडवे तथा क्षेत्र के विकास खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. पाहूजा ने अपनी सेवाएँ दी। करीब चार घंटे तक चले इस शिविर में 710 रोगियों ने चिकित्सा लाभ प्राप्त किया। एनएचडीसी द्वारा रोगियों को निःशुल्क दवाईयां भी उपलब्ध करायी गयी। शिविर में एक गंभीर रोगी को बिस्तर से उठाकर एम्बुलेंस द्वारा लाया गया और उसका एम्बुलेंस में ही उपचार किया गया। कार्यक्रम में एनएचडीसी के मानव संसाधन विभाग के प्रबंधक जितेन्द्र श्रीवास्तव, व अन्य कार्मिकों ने भी भाग लिया।

दंत चिकित्सा कैम्प का आयोजन

आर एण्ड आर कार्यालय, खंडवा द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व योजना कार्यक्रम के तहत खंडवा के हॉली स्पिरिट कान्वेंट स्कूल में दिनांक 03 एवं 04 फरवरी को एक दंत शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 394 बालक/बालिकाओं के दांतों का परीक्षण दंत चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. श्रीमती अल्पा श्राफ, बी.डी.एस. ने किया।

डॉ. श्राफ ने बताया कि बच्चों के दांतों में सड़न एवं मसूड़े खराब होना अधिकतर बच्चो में पाया गया। उन्होंने बच्चों को दांतों की देखभाल से संबंधित अनेक सावधानियां बताई।

महिलाओं को सिलाई मशीनें भेंट

सिलाई मशीनें भेंट किए जाने के अवसर पर प्रबंधक (मा.संसा.) एवं ग्रामीण महिलाएं।

आर एंड आर कार्यालय, खंडवा द्वारा निगमीय सामाजिक दायित्व कार्यक्रम वर्ष 2008–2009 में महाप्रबंधक श्री बी.डी. शंखवार की प्रेरणा से महिलाओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुनर्वास स्थल इंधावड़ी की 29 महिला को सिलाई मशीनें वितरित की।

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव, प्रबंधक (मानव संसाधन) ने कहा कि एनएचडीसी द्वारा निगमीय सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के तहत् किए जा रहे समाज कल्याण के कार्यों से ग्रामीण महिलाओं के विकास एवं सशक्तिकरण की पूरी संभावना है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से आग्रह किया कि एनएचडीसी द्वारा दिये गये सिलाई प्रशिक्षण एवं सिलाई मशीन का पूरा लाभ उठाएं।

खिरकिया में रोजगार मेला

दिनांक 6 फरवरी को खिरकिया के उत्कृष्ठ विद्यालय प्रांगण में इंदिरा सागर व ओंकारेश्वर परियोजना के प्रभावित परिवारों को मध्य प्रदेश शासन की मशानुसार रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में 2180 युवक युवतियों ने पंजीयन कराया, जिसमें से 1028 लोगों का चयन किया गया।

वहीं मगरधा ग्राम के 25 आदिवासी युवकों में से 21 युवाओं का रोजगार हेतु चयन किया गया। मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती पुष्पलतासिंह, कलेक्टर हरदा द्वारा किया गया। अध्यक्षता कर रहे एनएचडीसी के संचालक, श्री राजेश डोंगरे, विशेष अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष आशा अमरसिंह मीणा, नगर पंचायत अध्यक्ष दुर्गा रामविलास खंडेल द्वारा रोजगार मेले का दीप प्रज्वलित कर किया गया। एसडीएम मंजुषा राय, नगर पंचायत उपाध्यक्ष जयंत नागड़ा प्रमुख रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री बी.डी. शंखवार, अपर संचालक विक्रमादित्यसिंह व बी.एल. कुलमी अपर संचालक एनएचडीसी आर एण्ड आर खंडवा, श्री जयंत नागड़ा, उपाध्यक्ष नगर पंचायत पार्षद श्री सुधीर सोनी तथा एन.एच.डी.सी. के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेले में पीथमपुर की प्रतिभा सिंटेक्स लिमिटेड, परसराम पुरिया इंटरनेशनल, वर्धमान यार्नस मंडीदीप, अनंत स्पीनिंग मिल्स, वर्धमान फ्रेबिकर्स, एके स्क्यूरिटी छतरपुर सहित अन्य 12 कंपनियों ने युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया।

मेले में प्रचार के लिए एनएचडीसी द्वारा देवास, खंडवा व हरदा जिले के 230 गांवो को जोरशोर से प्रचार–प्रसार किया गया। महाप्रबंधक श्री बी डी शंखवार ने बताया कि छनेरा और खिरकिया में मेले के बाद अब देवास में रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा वहीं कामगारों को औजार भी उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है एवं बताया कि एन.एच.डी.सी. आर एण्ड आर में शीघ्र ही एक रोजगार कक्ष की भी स्थापना की जायेगी जिससे पुनर्वास स्थल के बेरोजगारों को जोड़ा जायेगा। वनांचल क्षेत्र के बेरोजगारों को भी इन मेलों में सम्मिलित किया जा रहा है। उन्होंने खेती संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि फलदार वृक्षों से आय कैसे प्राप्त की जाए इसकी भी जानकारी दी जाएगी।

श्री एस. जयरामन, माननीय सदस्य, केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग का परियोजना दौरा

श्री एस. जयरामन, माननीय सदस्य, केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग, इंदिरा सागर परियोजना में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा की सलामी स्वीकार करते हुए।

श्री एस. जयरामन, माननीय सदस्य, केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग ने दिनांक 04 अप्रैल 2009 को इंदिरा सागर परियोजना के विद्युत गृह, बांध स्थल व पावर स्टेशन माडल रूम का अवलोकन किया। इस दौरान उन्हें इंदिरा सागर परियोजना की विभिन्न उपलब्धियों से अवगत कराया गया तथा इंदिरा सागर परियोजना के माध्यम से निगमीय सामाजिक दायित्व के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न समाज कल्याण की गतिविधियों से अवगत कराया गया। माननीय सदस्य महोदय ने इंदिरा सागर परियोजना के विद्युत गृह व बांध की सराहना की तथा Guard of Honour स्वीकार किया।

तदोपरान्त दिनांक 5 अप्रैल 2009 को माननीय सदस्य महोदय ने ओंकारेश्वर परियोजना का दौरा किया तथा वहाँ भी उन्होंने एनएचडीसी की कार्यकुशलता की सराहना की।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल द्वारा 520 मेगावाट क्षमता की ओंकारेश्वर जल विद्युत परियोजना को वर्ष 2007–08 के लिए समय से पूर्व जल विद्युत परियोजना निर्माण हेतु राष्ट्रीय स्वर्ण शील्ड पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 2008–09 के दौरान नर्मदा कछार में अल्प वर्षा के बावजूद एनएचडीसी की दोनों जलविद्युत परियोजनाओं से लगभग 2308 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन।
- एन.एच.डी.सी. संचालक मंडल द्वारा वित्तीय वर्ष 2008–09 हेतु 45.91 करोड़ रुपये का लाभांश दिये जाने की अनुशंसा जिसे एन.एच.पी.सी. एवं मध्य प्रदेश शासन के मध्य उनके अनुपात अर्थात् 51:49 के आधार पर वितरित किया जायेगा।
- एनएचडीसी विद्युत गृहों हेतु निर्धारित सामान्य 85 प्रतिशत क्षमता सूचकांक की तुलना में वित्तीय वर्ष 2008–09 के दौरान 98.18 प्रतिशत क्षमता सूचकांक का प्रदर्शन।
- वर्ष 2008–09 के दौरान डिलयाड़ी एमपीट्रेडको से रुपये 959.49 करोड़ नगद प्राप्ति का कीर्तिमान।
- एनएचडीसी की जल विद्युत परियोजनाओं से वर्ष 2008 – 09 तक समग्र रूप से मध्यप्रदेश को रु 2.25 प्रति यूनिट की औसत दर से विद्युत की आपूर्ति
- एन.एच.डी.सी. को अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस प्रोडक्टिविटी मंच द्वारा अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता श्रेष्ठता अवार्ड भेंट।
- एन.एच.डी.सी. द्वारा ऊर्जा के अन्य परंपरागत/गैर परंपरागत् स्रोतों जैसे ताप, पवन, इत्यादि के समुपयोजन हेतु विविधीकरण की प्रक्रिया पूर्ण।
- मध्य प्रदेश शासन द्वारा एन.एच.डी.सी. के माध्यम से इंदिरा सागर जलाशय की परीधि में 1320 मेगावाट (2 X 660 मेगावाट) क्षमता के सुपर क्रीटिकल ताप विद्युत गृह स्थापित करने हेतु स्वीकृति प्रदान।
- एन.एच.डी.सी. को सहस्त्राब्दि राष्ट्रीय राजभाषा शील्ड सम्मान, राजभाषा अलंकरण, राजभाषा मनीषी, सर्वश्रेष्ठ संस्थान तथा उद्यम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) भोपाल में द्वितीय पुरस्कार तथा उपक्रम में राजभाषा पत्रिका आरोहण को उत्थान/विकास हेतु अन्य कई पुरस्कार प्राप्त व राजभाषा पत्रिका राष्ट्रीय शील्ड सम्मान, नगर राजभाषा कार्यान्वय समति (उपक्रम) भोपाल में द्वितीय पुरस्कार।
- निगमीय सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) के तहत इंदिरा सागर पावर स्टेशन, ओंकारेश्वर पावर स्टेशन, आर. एण्ड आर. कार्यालय एवं निगम मुख्यालय भोपाल में कई सामाजिक कार्य किए हैं। इसमें प्रमुख रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं जल संवर्धन, रोजगार, प्रशिक्षण, सेनिटेशन एवं महिला सशक्तिकरण गतिविधियां शामिल हैं। सी.एस.आर. कार्यक्रम की महत्वपूर्ण कड़ी में भोपाल झील गहरीकरण अभियान हेतु नगर निगम भोपाल को रुपये 5 लाख की सहयोग राशि भेंट की गई साथ ही निगम के कार्मिकों द्वारा इस अभियान में श्रमदान भी किया गया।

विद्युत क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्यनिष्पादन के लिए
राष्ट्रीय पुरस्कार

2007–08 में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए

विद्युत मंत्रालय
भारत सरकार

नर्मदा जल विद्युत निगम लिमिटेड

को

ओंकारेश्वर जल विद्युत परियोजना यूनिट–I (65 मेगावाट)

को समय से पूर्व समापन

के लिए सहर्ष स्वर्ण शील्ड प्रदान करता है

विद्युत मंत्रालय,
नई दिल्ली,
17 फरवरी, 2009

वी. एस. सम्पत
सचिव (विद्युत), भारत सरकार